Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________________
   (Name) ____________________________
2. (Signature) ____________________________
   (Name) ____________________________

OMR Sheet No. : ....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No.________________________________
(In words)

J 9 1 1 0

Test Booklet No.

Time : **1 1/4** hours]

PAPER-II

PRAKRIT

[Maximum Marks : **100**

Number of Pages in this Booklet : **8**

Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered in the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the oval as indicated below on the correct response against each item.
   Example : (A) (B) ● (D)
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **Answer Sheet given inside the Paper I Booklet only.** If you mark at any place other than in the ovals in the Answer Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your name or put any mark on any part of the test booklet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and OMR Answer sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका की क्रम संख्या OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के दीर्घवृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : (A) (B) ● (D)
   जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये उत्तर-पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप उत्तर पत्रक पर दिये गये दीर्घवृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं OMR उत्तर-पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई अंक काटे नहीं जाएँगे ।**

PRAKRIT

प्राकृत

Paper – II

पण्हपत्तं – II

प्रश्नपत्र – II

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions, each question carrying **two (2)** marks. Attempt **all** the questions.

नोट : इमम्मि पण्हपत्ते **पण्णासा (50)** बहु-विकप्पियाणि पण्हाणि संति । पत्तेगं पण्हं **दुवे (2)** अंकस्स अत्थि । **सव्वाणि** पण्हाणि कारियाणि त्ति ।

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं । **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. The Prakrit used in Girinar Ashokan inscriptions is :
असोगस्स गिरिणार सिलालेहेसु इमा पाइयस्स पओगं उवलद्धं अत्थि :
अशोक के गिरनार शिलालेखों में इस प्राकृत का प्रयोग हुआ है :
(A) शौरसेनी
(B) महाराष्ट्री
(C) पैशाची
(D) मागधी

2. The time of Kharavela inscriptions is :
खारवेल सिलालेहस्स कालो अत्थि :
खारवेल शिलालेखों का काल है :
(A) प्रथम शताब्दी ई.पू.
(B) दूसरी शताब्दी ई.
(C) तीसरी शताब्दी ई.
(D) चौथी शताब्दी ई.

3. Paiśaci-Prākrit belongs to this era of Prakrit
'पैशाची-पाइय' इमस्स जुगस्स भासा अत्थि :
'पैशाची-प्राकृत' इस युग की भाषा है :
(A) आधुनिकयुगीन प्राकृत
(B) प्रथमयुगीन प्राकृत
(C) तृतीययुगीन प्राकृत
(D) मध्ययुगीन प्राकृत

4. The number of Girnār inscriptions of Ashoka are :
असोगस्स गिरिनारे उवलद्धा अहिलेहाण संखा इमा अत्थि :
अशोक के गिरनार शिलालेखों की संख्या है :
(A) 16
(B) 12
(C) 14
(D) 8

5. These vowels are not found in Prakrit :
पाइय भासाए इमे सुर-वण्णाणं पओगं ण होंति :
प्राकृत भाषा में ये स्वर-वर्ण नहीं पाये जाते :
(A) अ, इ
(B) अ, उ
(C) ऋ, ऐ
(D) आ, ई

6. This is an example of anaptyx :
इदं सरभत्तिए उदाहरणं अत्थि :
यह स्वर-भक्ति का उदाहरण है :
(A) भारिआ
(B) चाइत्ति
(C) अण्णेसिं
(D) सयडो

7. The compound of the word Miacavalo (मिअचवलो) is :
मिअचवलो पदे समासो अत्थि :
मिअचवल शब्द में समास है :
(A) द्वन्द्व
(B) कर्मधारय
(C) तत्पुरुष
(D) बहुब्रीहि

8. The language of Kuvalayamālā is :
कुवलयमालाअ भासा अत्थि :
कुवलयमाला की भाषा है :
(A) पैशाची
(B) अर्धमागधी
(C) महाराष्ट्री
(D) शौरसेनी

9. The locative plural form of the word Lacchī (लच्छी) is :
लच्छीपदस्स सत्तमीबहुवयणस्स रूवं इदं अत्थि :
लच्छीपद का सप्तमी बहुवचन रूप यह है :
(A) लच्छिं
(B) लच्छीउ
(C) लच्छीसुं
(D) लच्छीओ

10. The ablative form of the word साहु is this :
साहुसद्दस्स पंचमीरूवं इदमत्थि :
साहु शब्द का पंचमी विभक्ति रूप यह है :
(A) साहुम्मि
(B) साहुं
(C) साहुत्तो
(D) साहुस्स

11. Example of syncope in Prakrit is :
पाइयभासायं मज्झसरलोवस्स उयाहरणमिदमत्थि :
प्राकृत में मध्यस्वरलोप का उदाहरण यह है :
(A) दाणिं
(B) उइदं
(C) थीणं
(D) अंधारो

12. The work – गाहालक्खण is related to :
गाहालक्खणं गंथं सम्बद्धमत्थि :
गाथालक्खण ग्रंथ सम्बद्ध है :
(A) कोश
(B) अलंकार
(C) व्याकरण
(D) छन्द

13. The author of Rayaṇāvalī is :
रयणावलीअ लेहगो अत्थि :
रयणावली के लेखक हैं :
(A) बाणभट्ट
(B) धनपाल
(C) हेमचन्द्र
(D) विश्वनाथ

14. This is not a charita work in Prakrit language.
कं गंथं पाइय – भासाअ चरिय-गंथं णत्थि ?
कौन सा ग्रन्थ प्राकृत का चरित ग्रन्थ नहीं है ?
(A) पउमचरिउ
(B) हरिवंशचरिय
(C) गाहासत्तसई
(D) महावीर चरिय

15. The subject matter of Kavidarpana is :
कइदप्पणस्स मुक्खविसयमत्थि :
कविदर्पण का मुख्य विषय है :
(A) कोश
(B) छन्द
(C) अलंकार
(D) व्याकरण

16. The theme of an epic is this :
महाकव्वस्स कहावत्थु इमा होदि :
महाकाव्य की कथावस्तु यह होती है :
(A) कवि-कल्पित
(B) इतिहास-प्रसिद्ध
(C) मिश्रित
(D) इनमें से कोई नहीं

17. Prakrit Chedasūtra is divided into :
पाउडछेयसुत्तं एसु भाएसु विभत्तमत्थि :
प्राकृतछेदसूत्र इन भागों में विभक्त है :
(A) बारह
(B) दश
(C) छह
(D) चार

18. Āvassayasuttam is included in this āgama literature :
आवस्सयसुत्तं एसु आगमगंथेसु सम्बद्धमत्थि :
आवश्यकसूत्र इन आगम ग्रन्थों से सम्बद्ध है :
(A) प्रकीर्णक साहित्य
(B) अंगसाहित्य
(C) अलंकार साहित्य
(D) उपांग साहित्य

19. The numbers of wrong-belief (मिथ्यात्व) are :
मिच्छतस्स संखा इमे संति :
मिथ्यात्व की संख्या यह है :
(A) 5
(B) 11
(C) 7
(D) 4

20. This text is not written in Prakrit language :
इमा गंथा पाउडभासाअ अलिहिंद अत्थि :
यह ग्रंथ प्राकृत भाषा में नहीं लिखा है :
(A) उत्तराध्ययन
(B) आचारांगा
(C) लघुतत्त्वस्फोट
(D) द्रव्यसंग्रह

21. The place of composition of Kuvalayamālā-Kahā is :
कुवलयमाला कहा-लेहण-थलो अत्थि :
कुवलयमाला कथा-लेखन स्थान है :
(A) जम्मू
(B) जालोर
(C) जयपुर
(D) जैसलमेर

22. This is found in 'Uttarādhyayana Sūtra'
'उत्तरज्झयणसुत्ते', अत्थि :
'उत्तराध्ययन सूत्र' में है :
(A) अध्ययन
(B) सर्ग
(C) संधि
(D) अंक

23. This is the Prakrit work of Udyotanasuri :
उद्योतनसूरिस्स पाइय-रयणा इमा अत्थि :
यह प्राकृत रचना उद्योतन सूरि की है :
(A) सिरिपासनाहचरियं
(B) कुवलयमाला
(C) कुम्मापुत्तचरियं
(D) लीलावई

24. The language of the Karpūramanjari is :
कप्पूरमंजरी सट्टगे पयुत्ता भासा इमा अत्थि :
कर्पूरमंजरी सट्टक में प्रयुक्त भाषा यह है :
(A) पैशाची
(B) संस्कृत
(C) शौरसेनी
(D) अर्धमागधी

25. The literary form of Setubandha is :
सेतुबन्धस्स साहित्त-विहा इमा अत्थि :
सेतुबन्ध की साहित्य विधा यह है :
(A) नाटक
(B) सट्टक
(C) मुक्तकाव्य
(D) महाकाव्य

26. The author of Sanmatitarka (सन्मतितर्क) is :
'सन्मतितर्क'स्स लेहगो अत्थि :
सन्मतितर्क के लेखक हैं :
(A) शिवार्य
(B) सिद्धसेन
(C) कुन्दकुन्द
(D) नेमिचन्द्र

27. The form of कर्पूरमंजरी is :
'कप्पूरमंजरी' इत्तस्स विहा अत्थि :
कर्पूरमंजरी की विधा है :
(A) नाटक
(B) प्रकरण
(C) सट्टक
(D) त्रोटक

28. The hero of कर्पूरमंजरी is :
'कप्पूरमंजरी' इत्तस्स णायगो अत्थि :
कर्पूरमंजरी का नायक है :
(A) उदयन
(B) चन्द्रपाल
(C) चारूदत्त
(D) दुष्यन्त

29. This रस is found in 'मृच्छकटिकम्' :
मृच्छकटिके इमं रसं अत्थि :
'मृच्छकटिकम्' में यह रस है :
(A) वीर रस
(B) करुण रस
(C) शान्त रस
(D) श्रृंगार रस

30. This रस is found in Karpūramanjari :
'कप्पूरमंजरी' गंथे इमं रसं अत्थि :
'कर्पूरमंजरी' में यह रस है :
(A) श्रृंगार रस
(B) वीर रस
(C) करुण रस
(D) शान्त रस

31. Read the Unit-I and II for correct match :
पढ़मो-वीयो य खण्डाणं णिद्दोस सम्मेलणत्थं पढिदव्वं :
प्रथम एवं द्वितीय इकाइयों के सही मिलान के लिए पढ़िये :

	I		II
(a)	शूद्रक	(i)	कर्पूरमंजरी
(b)	विमलसूरि	(ii)	गाहासत्तसई
(c)	हाल	(iii)	मृच्छकटिक
(d)	राजशेखर	(iv)	पउमचरिउ

Choose the correct match from the following :
अहोलिहिदेसु समुचिद-मेलनं पगासय :
निम्नलिखित में से सही मिलान चुनिये :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(B)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(C)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(D)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

32. Rajashekhara is the author of this work :
राजसेहरो इमस्स गंथस्स लेहगो अत्थि :
राजशेखर इस ग्रंथ के रचयिता हैं :
(A) मृच्छकटिकम्
(B) कर्पूरमंजरी
(C) रंभा मंजरी
(D) श्रृंगार मंजरी

33. Śūdraka is the author of this work :
शूद्रक इमस्स गंथस्स लेहगो अत्थि :
शूद्रक इस ग्रंथ का रचयिता है :
(A) मृच्छकटिकम्
(B) कर्पूरमंजरी
(C) मुद्राराक्षसम्
(D) ज्ञान-सूर्योदय

34. The composition of 'मृच्छकटिकं' is in :
'मृच्छकटिकम्' रयणा अत्थि :
'मृच्छकटिकम्' रचना है :
(A) 10 अंकों की
(B) 7 अंकों की
(C) 4 जवनिकाओं की
(D) 7 जवनिकाओं की

35. The language of the Pravachansara is :
पवयणसारस्स भासा इमा अत्थि :
प्रवचनसार इस भाषा में रचित है :
(A) महाराष्ट्रीय – प्राकृत
(B) शौरसेनी – प्राकृत
(C) पैशाची – प्राकृत
(D) मागधी – प्राकृत

36. The Title of Nineth Chapter of Uttarādhyayana Sūtra is :
उत्तरज्झयणसुत्तस्स नवम-अज्झयणस्स णाम अत्थि :
उत्तराध्ययनसूत्र के नवम अध्ययन का नाम है :
(A) केशीगौतमीय
(B) नमिपव्वज्जा
(C) राजुलनेमिकहा
(D) चित्तसंभूतीय

37. 'Dravyasangrah' is written in :
'दव्वसंगहो' गंथस्स भासा इमा अत्थि :
'द्रव्य-संग्रह' इस भाषा का ग्रन्थ है :
(A) मागधी
(B) अर्धमागधी
(C) शौरसेनी
(D) महाराष्ट्री

38. Ācārāṅga-sūtra is :
आचारंगसुत्तमत्थि :
आचारांगसूत्र है :
(A) आगमसूत्र
(B) मूलसूत्र
(C) छेदसूत्र
(D) चूलिका

39. कर्पूरमंजरी is devided into ……..
कप्पूरमंजरी ……. विहत्ता अत्थि ।
कर्पूरमंजरी …… विभक्त है ।
(A) 10 अंकों में
(B) 7 अंकों में
(C) 4 जवनिकाओं में
(D) 7 जवनिकाओं में

40. 'Līlāvaī' is a :
लीलावई अत्थि :
लीलावई है :
(A) महाकाव्य
(B) खण्डकाव्य
(C) चरित काव्य
(D) चम्पू काव्य

41. The heroin of मृच्छकटिकम् is :
मृच्छकटिकस्स णाइगा अत्थि :
मृच्छकटिकम् में नायिका है :
(A) वासवदत्ता
(B) मालविका
(C) वसन्तसेना
(D) मालती

42. The number of chapters in Uttarādhyayana Sūtra is :
उत्तरज्झयणसुत्त-गंथे अज्झयण-संखा इमा अत्थि :
उत्तराध्ययन सूत्र ग्रंथ में अध्ययन हैं :
(A) 36
(B) 14
(C) 12
(D) 11

43. The author of Setubandha is :
सेतुबंधस्स रयणागारो अत्थि :
सेतुबन्ध के रचनाकार हैं :
(A) उद्योतनसूरि
(B) प्रवरसेन
(C) शूद्रक
(D) सिद्धसेन

44. The name of 23rd chapter of Uttarādhyayana is :
उत्तरज्झयणस्स तिबिंसइ अज्झयणस्स णामं अत्थि :
उत्तराध्ययन के तेइसवें अध्ययन का नाम है :
(A) गौतम – महावीर
(B) केशी – गौतमीय
(C) प्रदेशी – केशी
(D) नमि और देवेन्द्र

45. 'णत्थि विणा परिणामं अत्थो अत्थं विणेह परिणामो'
The above verse is quoted from this text :
उवरि-उत्त-गाहा अम्हा गंथम्हा उद्धरिता :
उपरोक्त गाथा इस ग्रंथ से उद्धृत है :
(A) पवयणसारो (B) दव्वसंगहो
(C) सेउबन्धो (D) आयारंगो

46. 'Pravacanasāro' is composed in this Prakrit :
'पवयणसारो' अम्हि पाइयभासम्हि रयणा अत्थि :
'प्रवचनसार' इस प्राकृत में रचित है :
(A) अर्धमागधी (B) शौरसेनी
(C) मागधी (D) महाराष्ट्री

47. Read I and II units for correct match :
पढमा एवं बिया सूइस्स सुट्ठु मेलणं करेहि :
प्रथम तथा द्वितीय सूचियों का सही मिलान कीजिये :

	I	II
(a)	चण्ड	(i) भगवती आराधना
(b)	शिवकोटि (शिवार्य)	(ii) प्रवचनसार
(c)	कुन्दकुन्द	(iii) पउमचरिउ
(d)	विमलसूरि	(iv) प्राकृत लक्षण

Identify the correct match / सुट्ठ मेलणं कुज्जा / सही मिलान करें :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(B)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(C)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(D)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

48. Read units I and II for correct match :
पढमा एवं बिया सूइस्स सुट्ठु मेलणं करेहि :
प्रथम तथा द्वितीय सूचियों का सही मिलान कीजिये :

	I	II
(a)	हेमचंद्र	(i) द्रव्यसंग्रह
(b)	वट्टकेर	(ii) जसहरचरिउ
(c)	पुष्पदंत	(iii) कुमारपालचरियं
(d)	नेमिचंद्र	(iv) मूलाचार

Identify the correct match / सुट्ठ मेलणं कुज्जा / सही की पहचान करें :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(B)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(C)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(D)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)

49. This statement is true :
इमं कधणं सच्चं :
यह कथन सत्य है :
(i) प्राकृत में ऐ और औ स्वर नहीं होते हैं ।
(ii) प्राकृत में द्वि-वचन नहीं होता ।
(iii) चतुर्थी एवं षष्ठी विभक्ति के शब्द रूप एक समान पाये जाते हैं ।
(iv) प्राकृत में संस्कृत के समान ही तीन पुरुष होते हैं ।
(A) (i)
(B) (i) तथा (iii)
(C) (i), (ii) तथा (iv)
(D) सभी

50. The example of 'लोपोऽरण्ये' सूत्र is this :
'लोपोऽरण्ये' सुत्तस्स उदाहरणं इदं अत्थि :
'लोपोऽरण्ये' सूत्र का उदाहरण यह है :
(A) दण्णं
(B) रण्णं
(C) कण्णं
(D) पण्णं

Space For Rough Work